परिचय [Introduction]

वर्साय की संधि [Treaty of versailles]:-

In Point form:-

MA [SEM 2]- Abhinav Ass. Prof. History, S.B. College, Ara

- IInd world war के पश्चात जर्मनी के साथ की गई संधि।
- मित्र राष्ट्रों द्वारा पेरिस शान्ति सम्मेलन में की गई अन्य संधियां- Austria- सैन जर्मन की संधि।
- Bulgria- नुईली की संधि, Hungary- त्रिआनो संधि, Turkey- Sebre की संधि। लेकिन इन सबमें वर्साय सबसे महत्वपूर्ण।
- वीमर Gov. द्वारा इस संधि को स्वीकृत न करने के बाद नई सरकार गुस्ताव बायर (प्रधानमंत्री) द्वारा स्वीकृत।

→ वर्साय संधि के प्रावधान-

→ (1) प्रादेशिक व्यवस्था-

→ अलसास- लॉरेन प्रदेश जर्मनी से फ्रांस को दे दिया गया।

→ राइनलैण्ड- इस क्षेत्र को फ्रांस की सुरक्षा की दृष्टि से मित्र राष्ट्र के सेना को 15 वर्षों के लिए दे दी गई तथा आस-पास के क्षेत्रों को निःशस्त्र कर दिया गया।

→ सार क्षेत्र:- जर्मनी का कोयला बहुल क्षेत्र, इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रसंघ को सौंप दी गई। तथा कोयले के खानों की जिम्मेदारी फ्रांस को दी गई।

→ Upen Marshmeet तथा Mulmedi प्रदेश बेल्जियम तथा श्लेशविग डेनमार्क को प्राप्त।

→ जर्मनी की पूर्वी सीमा सर्वाधिक प्रभावित। स्वतंत्र Poland का निर्माण।

↳ डाजिंग को स्वतंत्र नगर के रूप में विकसित किया तथा राष्ट्रसंघ के संरक्षण में। तथा Poland द्वारा Port का उपयोग करने के लिए डाजिंग बन्दरगाह का प्रयोग करने की अनुमति प्राप्त।

Scanned with CamScanner

- मेमेल बंदरगाह जर्मनी से लिथुआनिया को प्राप्त।
- जर्मनी द्वारा चेकोस्लोवाकिया State को मान्यता दिया गया, जिससे जर्मनी को प्रादेशिक क्षेत्रफल में हानि हुई।

→ जर्मनी उपनिवेश संबंधि व्यवस्था॥
विलसन के विरोध/दबाव के कारण संरक्षण-प्रणाली [Mandate system] develop किया गया। जर्मन उपनिवेश मित्र राष्ट्र के संरक्षण में चले गए। [Basically - Pacific Ocean Range and African States]

→ ② सैनिक व्यवस्था :-
↳ जर्मन सेना की अधिकतम संख्या निश्चित 100000 [एक लाख]

↳ अनिवार्य सैनिक सेवा प्रतिबंधित।
↳ हवाई जहाज प्रतिबंधित।
↳ नौसैनिक सेना सीमित। 6 पोत रखने की इजाजत।

↳ निःशस्त्रीकरण की शर्त को सुचारु रूप से मानने से संबंधित शर्त को निगरानी हेतु जर्मन खर्च पर मित्र राष्ट्र की सेना वहाँ रखने की स्थिति।

→ ③ आर्थिक व्यवस्था :-
वर्साय संधि की 231 वीं धारा के तहत जर्मनी/सहयोगी देशों पर जिम्मेवारी थोपी गई। जर्मनी द्वारा क्षतिपूर्ति करने की व्यवस्था। जर्मन to मित्र राष्ट्र 5 अरब डॉलर।

↳ नील नहर का अन्तर्राष्ट्रीयकरण कर सभी देशों के जहाजों द्वारा प्रयोग में लाया जाने लगा।

④ नैतिक दायित्व :-
Treaty की 231 वीं धारा के अनुसार सारी क्षति तथा युद्ध के लिए जर्मनी को उत्तरदायी ठहराया गया।

⑤ राजनैतिक व्यवस्था :-
राष्ट्रसंघ की स्थापना - इस संधि का महत्वपूर्ण अंग।

Scanned with CamScanner

TOPIC:- वर्साय की संधि का प्रभाव / द्वितीय विश्व युद्ध के लिए उत्तरदायी

MA SEM II History, Ara
Abhinaw Anand, S.B. College

विश्व इतिहास के जिन संधियों तथा प्रभावों की सर्वाधिक चर्चा हुई है, उनमें वर्साय की संधि का विशिष्ट स्थान है। इस संधि के कठोर प्रावधानों तथा उसके स्वरूप के संदर्भ में आलोचकों ने इसे द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण के रूप में परिभाषित किया है। उनके अनुसार वर्साय की संधि शान्ति की व्यवस्था न होकर असंतोष की जनक थी। संधि के ठीक 20 वर्ष 2 माह तथा 4 दिन पश्चात IInd world-war के चपेट में आ गया।

→ संधि होने के बाद से ही उसकी व्यवस्थाओं को जर्मनी द्वारा भंग किया जाता रहा तथा साथ ही साथ संधि के प्रावधानों में लगातार बदलाव भी किया जाता रहा। इन उलंघन तथा परिवर्तन ने विश्व को IInd world war की ओर ढकेल दिया।

कोई भी स्वाभिमानी राष्ट्र इस अपमानजनक संधि के शर्तों को बहुत दिन तक नहीं मान सकती।

जर्मनी के एक कवि — " जर्मन जाति कष्ट सहेगी लेकिन मरेगी नहीं।

Marshal Franch — " यह संधि शान्ति संधि नहीं है, केवल 20 वर्षों का युद्ध विराम है।

→ 1926 में जर्मनी को राष्ट्रसंघ की सदस्यता, तब संधि का प्रथम भाग संशोधित। युद्ध-अपराधी संबंधी 7वाँ भाग कभी क्रियान्वित नहीं किया गया।

क्षतिपूर्ति संबंधि प्रावधान को पहले संशोधित किया गया बाद में लौजान सम्मेलन (1932) में क्षतिपूर्ति संबंधि प्रश्न ही समाप्त कर दिया गया।

Scanned with CamScanner

→ 1933-34 में जर्मन राजनीति में हिटलर का उदभव तथा संधि के शर्तों को अब तोड़ना आम-बात हो गई।

↳ 1935/36 में हिटलर द्वारा निःशस्त्रीकरण संबंधित शर्तों का उल्लंघन कर एक विशाल सेना का नवनिर्माण।

↳ 1936 में राइनलैण्ड पर अधिकार।

↳ 1938 में आस्ट्रिया तथा Sept 1938 में चेकोस्लोवाकिया को मिलाकर प्रादेशिक व्यवस्था से संबंधित शर्तों को भी तोड़ दिया।

↳ Poland तथा Danzing Port संबंधित बात पर IInd world-war का प्रारंभ।

— इस प्रकार इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्साय की अन्यायपूर्ण कठोर तथा अपमानजनक संधि, एक सीमा तक IInd world-war के लिए उत्तरदायी थी, किन्तु यह भी सत्य है कि मित्र राष्ट्रों की परस्पर विरोधी नीति - उपेक्षा, उदासीनता, तुष्टीकरण तथा संधि की शर्तों को कठोरता-पूर्वक लागू न करवाने की नीति भी इसके लिए कम उत्तरदायी नहीं थी।